

मोड्यूल 9अ: आंकलन तथा वर्गीकरण

सत्र 3 : बीमार बच्चे की जाँच तथा वर्गीकरण: खॉंसी अथवा सॉंस लेने में कठिनाई की जाँच तथा वर्गीकरण

दिवस : 4

समयावधि : 2 घं. 30 मि.

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आएँगी:

1. शिशु की सॉंस 1 मिनट तक गिनना।
2. छाती का अंदर धँसना पहचानना।
3. बीमार शिशु का वर्गीकरण करना।
4. रिकार्डिंग फॉर्म का पहला पन्ना भरना।

सामग्री तथा तैयारी

- इस मोड्यूल की शुरुआत में दी गई प्रशिक्षण सामग्री की जाँच-सूची देखें। यह सामग्री बीमार शिशु के मोड्यूल में प्रयोग की जाएगी।

प्रशिक्षण गतिविधियाँ

गतिविधि 1: प्रशिक्षणार्थी 'खॉंसी या सॉंस लेने में कठिनाई' के लिए आंकलन और वर्गीकरण वाला भाग पढ़ें।

1. प्रशिक्षक देखें कि सभी समझ गये हैं कि उन्हें क्या पूछना है तथा क्या देखना (सॉंसे गिनना) है।

मुख्य लक्षणों के बारे में पूछें:

क्या बच्चे को खॉंसी है अथवा सॉंस लेने में कठिनाई है?

यदि हाँ,

पूछें:

- कब से

देखें

- एक मिनट में सॉंस की गिनती करें
- पसली का धँसना देखें

2. प्रशिक्षक देखें कि सभी को निम्न बातें समझ में आ गयी हैं –

– यदि बच्चे को खॉंसी अथवा सॉंस लेने में कठिनाई नहीं है तो उसके लिए आंकलन न करें। यदि शिशु में खॉंसी या सॉंस लेने में कठिनाई दिख रही है और माँ भी बताये कि बच्चे को खॉंसी अथवा सॉंस लेने में कठिनाई है, तो

- पूछें – कब से ?

यदि 30 दिन से अधिक से खॉंसी हो तो उसे आंकलन के लिये बच्चे को अस्पताल भेजना चाहिये।

- छाती अंदर धँसे होने की जाँच करें।

बच्चे को खौंसी हो अथवा साँस लेने में कठिनाई के साथ छाती अंदर धँसी हो तो इसका अर्थ है गंभीर निमोनिया। छोटे शिशुओं की तुलना में बड़े बच्चों में थोड़ी छाती अंदर धँसी होना भी सामान्य नहीं है। शिशु की छाती थोड़ी भी अंदर धँसी हो तो उसे तुरंत अस्पताल भेजा जाना चाहिये।

गतिविधि 2: अभ्यास करवाना: तेज साँस होने की जाँच के लिए श्रेणी निश्चित करना इसके लिये प्रशिक्षणार्थियों को समझायें:

- यह परीक्षा नहीं है। बीमार बच्चों की जाँच तथा वर्गीकरण हेतु प्रशिक्षणार्थियों को कुछ जानकारी याद रखनी है। उसके अभ्यास के लिए यह एक अवसर है।
 - प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रश्न का उत्तर देने हेतु बारी-बारी से बुलायें। गोले के चारों ओर घूमकर उनसे क्रम से प्रश्न पूछें। यदि कोई उत्तर न दे पाये तो उसके अगले से पूछें।
 - प्रशिक्षणार्थी उत्तर देने के लिये तैयार रहें और शीघ्रता से उत्तर दें। इससे गतिविधि जीवंत रहेगी।
 - उनकी शंकाओं का समाधान करें।
 - बतायें कि प्रश्नोत्तर के समय वे चार्ट देख सकते हैं, पर चार्ट में से पढ़कर उत्तर न दें।
 - बताये कि इस गतिविधि से बच्चों में साँस तेज़ चल रही है या नहीं यह निश्चित करने की समीक्षा की जा सकेगी।
 - बताये कि बच्चों में साँस तेज़ चलने तथा सही-सही श्वसन दर की जाँच करते समय दो आयु समूहों की जानकारी अवश्य दें।
 - 2 से 12 माह के शिशुओं में प्रति मिनट 50 या इससे अधिक साँस का अर्थ है तेज़ साँस चलना।
 - 12 माह से 5 वर्ष के बच्चों में 40 या इससे अधिक साँस का अर्थ है तेज़ साँस चलना।
- यह अभ्यास कैसे होगा, यह बताने के लिये सह – प्रशिक्षक से पूछें, '6 माह के शिशु में प्रति मिनट कितनी साँसे हो तो साँस तेज है-?' 'उत्तर है' 50 या इससे अधिक साँसें। प्रशिक्षणार्थियों को बाँयें खने के प्रश्न पूछें। एक एक करके प्रशिक्षणार्थी उत्तर दें।

प्रश्न	उत्तर
बच्चे में साँस की गती तेज कब मानी जाती है?	
आयु 4 सप्ताह	60 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 6 सप्ताह	60 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 2 माह	50 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 6 माह	50 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 12 माह	40 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 4 माह	50 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 3 साल	40 साँसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 3 माह	50 साँसे प्रति मिनट या अधिक

आयु 18 माह	40 सॉसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 8 माह	50 सॉसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 4 1/2 माह	50 सॉसे प्रति मिनट या अधिक
आयु 9 माह	50 सॉसे प्रति मिनट या अधिक

इसके पश्चात् प्रशिक्षणार्थियों को बतायें कि आप उनसे बच्चे की आयु तथा 1 मिनट में सॉस दर बतायेंगी। वे बतायें कि आयु के अनुसार सॉस दर तेज़ है या सामान्य। अपने सह-प्रशिक्षक के साथ अभ्यास करायें – शिशु की आयु 4 माह तथा सॉस दर 52 प्रति मिनट है। सॉस दर तेज़ है या सामान्य? उत्तर – सॉस तेज़ चल रही है, क्यों कि इस आयु के लिए सॉस दर 50 प्रति मिनट या उससे अधिक हो तो सॉस दर तेज़ मानी जाती है।

एक प्रशिक्षणार्थी से पहला प्रश्न पूछें तथा शीघ्र उत्तर देने को कहें। अगला प्रश्न अन्य प्रशिक्षणार्थी से पूछें। यदि कोई गलत उत्तर दे तो सही उत्तर अगली प्रशिक्षणार्थी से पूछें।

प्रश्न		उत्तर
क्या बच्चे की सॉस तेज चल रही है?		
आयु	सॉस की गती	
18 माह	44	हाँ
2 माह	48	नहीं
12 माह	40	हाँ
3 साल	38	नहीं
12 माह	38	नहीं
3 साल	42	हाँ
12 माह	49	हाँ
11 माह	49	नहीं
6 माह	52	हाँ
14 माह	45	हाँ

प्रश्न		उत्तर
पूछें: क्या बच्चे की सॉस तेज चल रही है यदि		
बच्चे की आयु	प्रति मिनट सॉस की दर	
3 माह	52	हाँ
2 साल	38	नहीं
6 माह	48	नहीं

प्रश्न		उत्तर
पूछें: क्या बच्चे की साँस तेज चल रही है यदि		
बच्चे की आयु	प्रति मिनट साँस की दर	
12 माह	38	नहीं
12 माह	42	हाँ
3 साल	37	नहीं
8 माह	52	हाँ
18 माह	45	हाँ
4 माह	45	नहीं
14 माह	45	हाँ
4 साल	43	हाँ
20 माह	48	हाँ
7 माह	48	नहीं
10 माह	38	नहीं
11 माह	45	नहीं
12 माह	45	हाँ

गतिविधि 3: प्रदर्शन – खाँसी अथवा साँस लेने में कठिनाई का वर्गीकरण

चार्ट या चार्ट पुस्तिका दिखायें। बतायें कि वर्गीकरण कैसे करना है। बच्चे को खाँसी या साँस लेने में कठिनाई हो तो इसके लिये तीन प्रकार से वर्गीकरण किया जा सकता है।

- यदि शिशु में ख़तरे का लक्षण हों या छाती अंदर को धँसी हो तो इसका वर्गीकरण होगा 'गंभीर निमोनिया'।
- यदि बच्चे का यह वर्गीकरण न हों तो चार्ट पर नीचे देखें। यदि बच्चे की साँस तेज़ चल रही हो तो इसका वर्गीकरण होगा 'निमोनिया'।
- यदि बच्चे की साँस तेज नहीं है, तो वर्गीकरण होगा 'निमोनिया नहीं, खाँसी या जुकाम'।

इस बाक्स में केवल एक वर्गीकरण हो सकता है। उदा. गंभीर निमोनिया वाले बच्चे को निमोनिया भी नहीं हो सकता।

गतिविधि 4 : बच्चे की साँस का आंकलन

सामग्री:

- डिजीटल घड़ी
- साँस की गती गिनना: जॉच सूची
- संभव हो तो छोटे बच्चे

तैयारी:

- संभव हो तो छोटे बच्चों को इस सत्र के दौरान बुलाएँ

प्रदर्शन: साँस की गती कैसे गीने (10 मिनट)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. कोई अपनी इच्छा से प्रदर्शन के लिए तैयार हो तो उसे बुलाएँ: कोई वयस्क या बच्चा
2. समझाएँ कि साँस लेने का अर्थ है हवा नाक या मुँह से अंदर लेना और बाहर छोड़ना। छाती/पेट का एक बार उपर उठकर नीचे जाना एक साँस है।
3. समझाएँ कि छाती/पेट का एक बार उपर उठकर नीचे जाना एक साँस कैसे होती है। बच्चे बड़ों की तुलना में जल्दी जल्दी साँस लेते हैं। रोते समय बच्चे अधिक तेजी से साँस लेते हैं।
4. आशाओं को प्रशिक्षणार्थियों की प्रशिक्षण पुस्तिका में साँस गिनने की जाँच सूची देखने को कहें। प्रशिक्षणार्थियों को कहे कि वे जाँच सूची जोर से पढ़ें।
5. यदि आप शिशु का पेट उपर उठते नहीं देख सकती तो माँ से कहें कि बच्चे की शर्ट उपर उठाएँ।
6. शिशु शांत हो तो उसकी साँस गिननी चाहिए। यदि शिशु रो रहा हो, डरा हो, या चिड़चिड़ा हो तो साँस गिनने से पहले माँ से कहे कि शिशु को शांत करें।
7. शिशु की (संभव हो तो) पूरे एक मिनट तक साँस गिनने का प्रदर्शन करें।

साँस की गती गिनना: जाँच सूची

1. बच्चा शांत होने तक इन्तजार करें।
2. बच्चे की कमीज उपर उठाएँ ताकि आप साँस गिन सके, एक बार पेट उपर उठकर नीचे जाएँ तो एक साँस है।
3. हाथ की घड़ी निकालकर बच्चे के पेट के पास पकड़ें।
4. एक मिनट तक साँस गीने।
5. एक मिनट में कितनी साँसे गिनी लिख लें।

अभ्यास:

- प्रशिक्षणार्थियों को साँसे गिनने के अभ्यास करने के लिए समय दें। सारे प्रशिक्षणार्थी जोड़ियों में अभ्यास करें। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी जाँच सूची के अनुसार अपने साथी की साँस एक मिनट तक गीने।
- यदि बच्चे उपस्थित हैं तो साँस गिनने का अभ्यास उनपर करें।
- प्रशिक्षक आशाओं के अभ्यास का जाँच सूची के आधारपर निरीक्षण करें और उनके साथ-साथ साँस गिनकर उनका मूल्यांकन करें।
- आशाओं से कहें कि वे तीन मिनट तक दौड़ लगाएँ या उठक बैठक करें और फिर से साँस गीने। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी पाँच साथियों की साँस गिनकर अभ्यास करें।

गतिविधि 5 : विडियो चलाकर अभ्यास कराएँ 'बच्चों को खौंसी अथवा साँस लेने में कठिनाई'

प्रशिक्षणार्थियों को बताएँ कि वे अब —

- 1 मिनट में बच्चे की साँसों की गिनती कैसे करें इसका प्रदर्शन देखेंगे।

- बच्चे की 1 मिनट में ली जानेवाली साँसों की गिनती का अभ्यास तथा तेज़ साँस चल रही है या नहीं, इसकी जाँच करेंगी।
 - बच्चे की छाती अंदर धँसे होने की जाँच तथा अभ्यास; तथा तेज़ साँस का अभ्यास करेंगी।
 - केस अध्ययन से खौंसी या तेज़ साँस तक बच्चे के आंकलन और वर्गीकरण का अभ्यास करेंगी।
- विडियो टेप चला दें तथा उन्हें खौंसी, साँस लेने में कठिनाई का प्रदर्शन, उदाहरण और केस अध्ययन दिखाएँ। यदि किसी को ऐसा करने में कठिनाई हो तो टेप पुनः चलाये तथा दिखायें एवं साँसों की ठीक प्रकार गिनती करना सिखाये।

छाती अंदर धँसी होना:

नोट : प्रशिक्षणार्थियों को पहली बार छाती अंदर धँसे होने के लक्षण पहचानने में कठिनाई हो सकती है। हो सकता है कि यह उन्हें कई बार अभ्यास करने के बाद समझ में आएँ।

- यदि किसी को अंदर धँसी छाती पहचानने में कठिनाई हो तो विडियो दिखाकर समझायें। बतायें कि छाती का अंदर को धँसना कहाँ देखना है और साँस लेने पर छाती कहाँ अंदर धँसती है दिखाएँ।
- हो सकता है कि कुछ प्रशिक्षणार्थी समझ न पाये कि बच्चा कब साँस अंदर ले रहा है। विडियो की सहायता से बतायें कि बच्चे की छाती को कहाँ देखना है। जब बच्चा साँस अंदर ले, बोलें 'अंदर'। इससे प्रशिक्षणार्थी समझ सकेंगे कि उन्हें क्या और कहाँ देखना है।
- बीच-बीच में विडियो रोककर प्रशिक्षणार्थियों से पूछें कि छाती का धँसना कहाँ देखना है। इससे आप को पता चलेगा कि इस प्रशिक्षणार्थी छाती अंदर को धँसती है या नहीं यह देखने के लिए सही जगह देख रहे हैं या नहीं। अभ्यास को कई बार दोहरायें जब तक सभी प्रशिक्षणार्थियों को पूरी तरह अभ्यास तथा लक्षणों की पहचान न हो जाये।

वीडियो में दिखाए गए हर बच्चे के लिए इस सवाल का जवाब लिखें,

			क्या बच्चे की साँस तेज़ चल रही है ?	
	आयु	साँस प्रति मिनट	हाँ	नहीं
मानो	चार वर्ष	65	✓	
वामबाई	छः माह	66	✓	

वीडियो में दिखाए गए हर बच्चे के लिए इस सवाल का जवाब लिखें,

	क्या बच्चे की पसली धँस रही है ?	
	हाँ	नहीं
मेरी		✓
जेना	✓	
हो		✓
अन्ना	✓	
लो		✓

वीडियो केस स्टडी - बेन

दो माह से पांच वर्ष तक के बीमार बच्चे की देखभाल

नाम — बेन — उम्र 7 माह वजन 6 कि.ग्रा. शरीर का तापमान 101.3°से. दिनांक: _____
 पूछें, बच्चे को क्या समस्याएँ हैं? 2 सप्ताह से खाँसी प्रथम भेंट? ☒ पुनः भेंट ? _____

आकलन करें (पाये गये सभी चिन्हों पर गोला लगायें)	
खतरे के आम लक्षणों के लिये बच्चे की जांच करें ● कुछ पी नहीं सकता या स्तनपान नहीं कर सकता ● सुस्त या बेहोश ● सब कुछ उल्टी कर देता है ● दौरे पड़ते हैं	खतरे के आम लक्षण हैं हों — नहीं ☒ वर्गीकरण के समय इन लक्षणों का उपयोग करें
क्या बच्चे को खाँसी या सांस लेने में कठिनाई है? हों ☒ नहीं — ● कब से? <u>14 दिन</u> ● एक मिनट के लिए सांस गिनें 55 सांस प्रति मिनट ● तेज़ सांस? ● पसली धंसना देखें	गंभीर निमोनिया या बहुत गंभीर रोग

गतिविधि 6: रिकॉर्डिंग रजिस्टर भरना

प्रदर्शन : रिकॉर्डिंग फॉर्म की जानकारी देना।

इस प्रदर्शन हेतु आवश्यक सामग्री: रिक्त रिकॉर्डिंग फॉर्म का बड़ा प्रारूप

प्रदर्शन का आरंभ

जब सभी प्रशिक्षणार्थी तैयार हों तो सभी को फॉर्म के प्रत्येक भाग के बारे में तथा इसका प्रयोजन बतायें। इस फॉर्म का बड़ा प्रारूप दिखायें ताकि सभी भाग ठीक से समझाये जा सकें।

बतायें:

‘यह रिकॉर्डिंग फॉर्म है। इसको मोड्यूल में दिये अभ्यास तथा गाँव में अभ्यास के समय बच्चों की जाँच के बाद बच्चे में उपस्थित रोग के लक्षणों तथा अन्य जानकारी दर्ज करने हेतु प्रयोग में लाना है।

फॉर्म दो पन्नों का है। सामने वाला भाग जाँच तथा वर्गीकरण चार्ट जैसा है। फॉर्म के दूसरी ओर खाली जगहों पर शिशु के उपचार के बारे में लिखना है। इस मोड्यूल में केवल पहला पृष्ठ प्रयोग करना है। कोर्स में आगे चलकर अगले पृष्ठ में जानकारी दर्ज करनी है।

फॉर्म के पहले पृष्ठ के उपरी भाग को देखें (प्रत्येक खाली स्थान दिखायें)। यहाँ निम्न दर्ज करना है —

- बच्चे का नाम तथा आयु
- बच्चे के रोग के बारे में माँ द्वारा दी जानकारी।
- बच्चा पहली बार आया है या इससे पहले भी आ चुका है।

बतायें कि रिकॉर्डिंग फॉर्म को कैसे बनाया है। दिखाएँ कि फॉर्म में दो खाने हैं (खाने दिखायें) एक है ‘जाँच’ के लिये, दूसरा ‘वर्गीकरण’ हेतु। यह दोनों खाने दीवार चार्ट में दिये गये जाँच तथा वर्गीकरण खानों की तरह

है। (दीवार चार्ट में दिये गये खानों तथा रिकॉर्डिंग फॉर्म में दिये गये खानों में समानता सभी को दिखायें)। दीवार चार्ट में दिये गये जाँच वाले खाने को देखें। इसमें शिशु के रोग के लक्षणों की जाँच कैसे करनी है, यह बताया गया है। यहाँ रिकॉर्डिंग फॉर्म में जाँच वाला खाना है जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को बच्चे में उपस्थित लक्षण भरने हैं। फॉर्म में इस जगह दस्त, दूध पीने में कठिनाई तथा कुपोषण के बारे में दर्ज करना है। दीवार चार्ट में दी गयी जाँच की विधि वैसी ही है जैसी इस फॉर्म में।

बच्चे में टीकाकरण के बारे में जानकारी रिकॉर्ड करने के लिये भी इसमें एक खाना है। यहाँ चार्ट में वर्गीकरण वाला खाना है तथा यहाँ रिकॉर्डिंग फॉर्म में भी यही खाना है। बच्चे के रोग का वर्गीकरण इस खाने में रिकॉर्ड करें।

इस कोर्स में जब आप अभ्यास करते समय अथवा गौंव में काम के दौरान बीमार बच्चों के साथ कार्य करते समय रिकॉर्डिंग फॉर्म का प्रयोग करें तो जानकारी ऐसे दर्ज करें:

- शिशु में रोग का जो लक्षण दिखायी दे उस पर गोला बना दें (रिकार्डिंग फॉर्म पर गोला बनाकर दिखाएँ)। यदि शिशु में रोग का कोई लक्षण दिखाई न दे तो गोला न बनायें।
- लक्षण उपस्थित हो तो 'हाँ' पर निशान लगायें, अनुपस्थित हो तो 'न' पर लगायें। (बड़े रिकार्डिंग फॉर्म पर आंकलन प्रश्नों के साथ हाँ / नहीं दिखाएँ)
- खाली स्थानों में अन्य आवश्यक जानकारी दर्ज करें जैसे प्रति मिनट श्वास दर अथवा रोग का लक्षण कब से दिखायी दे रहा है (दस्त के निदान में प्रश्न कब से ? में दिखाएँ)
- मुख्य लक्षण का वर्गीकरण

इस मोड्यूल में अभ्यास करते समय आपको केवल रोग के लक्षणों वाला भाग भरना है। प्रदर्शन के अंत में सभी की शंकाओं का समाधान करें।

सारांश: (10 मिनट)

- साँस कैसे गिने इसका प्रदर्शन करने किसी प्रशिक्षणार्थी से कहें।
- किसी अन्य प्रशिक्षणार्थी से पूछें कि साँस की गती कैसे गिननी है।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि
शिशु की साँस 1 मिनट तक गिनना।	विडियो से तथा सत्र में अभ्यास
छाती का अंदर धँसना पहचानना।	विडियो से अभ्यास
बीमार शिशु का वर्गीकरण करना।	विडियो केस स्टडी
रिकार्डिंग फॉर्म का पहला पन्ना भरना।	विडियो केस स्टडी / प्रदर्शन